शीव कल्याण केंद्र

हनुमान टेकड़ी, माता रमाबाई आंबेडकर उद्यान,
सायन कोलीवाड़ा, मुंबई - 400022 | # 9987785567
| www.skkvhp.com | skk.vhp@gmail.com

जुलाई / अगस्त / सितम्बर 2025

वृत्त पत्रिका

अंक : 1

सेवा है यज्ञ कुंड समिधा सम हम जले

विषय सूची

- आपदा सहायता कार्य . . . . .
- नेत्र चिकित्सा शिविर . . . . . .
- ईमानदारी का सच्चा अर्थ – विघ्नेश की प्रेरक कहानी . . . . .
- बस्ती कार्यकर्ता एकत्रीकरण कार्यक्रम . . . .
- अनुभव कथन . . . . . गणेश पवार (बस्ती समिति सदस्य)

शीव कल्याण केंद्र

वृत्त पत्रिका

जुलाई / अगस्त / सितम्बर 2025

अंक : 1

आपदा सहायता कार्य – 19 अगस्त 2025, धारावी एवं सायन कोलीवाड़ा

19 अगस्त 2025 को धारावी एवं सायन कोलीवाड़ा में भारी वर्षा से प्रभावित बस्तियों में आपदा सहायता कार्य का संचालन किया गया। तेज़ वर्षा के कारण सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हो गया था और कई परिवार भोजन की मूलभूत आवश्यकता से वंचित थे । ऐसे कठिन समय में संगठन द्वारा 870 खाद्य पैकेट वितरित किए गए, जिससे प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत मिली। इस सेवा कार्य में बस्ती कार्यकर्ताओं, बस्ती समिति सदस्यों और समन्वयकों ने उल्लेखनीय सहयोग किया। उनकी एकजुटता और तत्परता ने राहत कार्य को सुचारु और प्रभावी बनाया। यह प्रयास न केवल भोजन वितरण तक सीमित रहा, बल्कि समाज में संवेदना, सहयोग और सामुदायिक एकता की मिसाल भी स्थापित की।

नेत्र चिकित्सा शिविर – 18 जुलाई 2025, श्री गणेश मंदिर, म्हाडा कॉलनी, सायन कोलीवाड़ा

18 जुलाई 2025 को श्री गणेश मंदिर, म्हाडा कॉलनी, सायन कोलीवाड़ा में नेत्र चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों की नेत्र स्वास्थ्य जाँच करना और समय पर उपचार हेतु जागरूकता बढ़ाना था। कुल 156 बच्चों की नेत्र जाँच विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की गई। कई बच्चों में प्रारंभिक दृष्टि संबंधी समस्याओं की पहचान कर आगे उपचार की सलाह दी गई। शिविर में उपस्थित अभिभावकों ने इस पहल की सराहना की और इसे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत लाभकारी बताया। यह आयोजन सेवा, संवेदना और समाज के नन्हे सदस्यों की देखभाल के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा।

शीव कल्याण केंद्र

वृत्त पत्रिका

जुलाई / अगस्त / सितम्बर 2025

अंक : 1

ईमानदारी का सच्चा अर्थ – विघ्नेश की प्रेरक कहानी

शीव कल्याण केंद्र - माता जिजाबाई संस्कार शाला में पढ़ने वाला विघ्नेश विशाल मुळीक पिछले दो वर्षों से हमारे संस्कार वर्ग का हिस्सा है। छोटा-सा यह बालक अपने आचरण से यह साबित कर रहा है कि सच्चे संस्कार इंसान के जीवन की दिशा बदल सकते हैं। हाल ही में कुर्ला पुलिस थाने में उसे सम्मानित किया गया। कारण था – उसकी ईमानदारी और जागरूकता।

एक दिन जब विघ्नेश स्कूल से घर लौट रहा था, रास्ते में उसे सड़क किनारे एक बैग पड़ा हुआ दिखा। किसी ने खोया था, लेकिन उसमें क्या है, यह उसे नहीं पता था। उसने बैग खोला नहीं, बल्कि तुरंत अपने शिक्षक से संपर्क किया और उनके मार्गदर्शन में वह सीधे कुर्ला पुलिस थाने पहुंचा। पुलिस अधिकारियों ने जब देखा कि एक छोटे बच्चे ने बिना किसी स्वार्थ के गुम हुई वस्तु लौटाई है, तो वे प्रभावित हुए।

उन्होंने विघ्नेश की सच्चाई और साहस की सराहना की और उसे सम्मानित किया।

यह एक सरल-सी घटना लग सकती है, पर असल में यह हमारे समाज के लिए बहुत बड़ी सीख है। कुछ महीने पहले यही बच्चा अपनी माँ के बैग से बिना पूछे पैसे निकाल चुका था। जब यह बात हमारी संस्कारशाला शिक्षिका स्वाती ताई को पता चली, तो उन्होंने उसे डांटा नहीं, बल्कि उसे एक कहानी सुनाई। कहानी थी एक राजा की, जिसने अपने बेटे को सिखाया था कि "ईमानदारी ही इंसान का सबसे बड़ा गहना है, क्योंकि यह खो जाए तो कोई और आभूषण उसे नहीं छुपा सकता।"

विघ्नेश ने उस कहानी को अपने मन में गहराई से उतार लिया। उसने समझा कि ईमानदारी केवल दूसरों से नहीं, बल्कि खुद से भी निभाई जाती है। उसी दिन से उसके व्यवहार में बदलाव आने लगा। वह अधिक जिम्मेदार, संवेदनशील और जागरूक बन गया। और जब जीवन ने उसे परखने का अवसर दिया — सड़क पर वह बैग मिलने का — उसने अपने संस्कारों के आधार पर सही निर्णय लिया।

संस्कार वर्ग का यही उद्देश्य है — बच्चों में केवल ज्ञान नहीं, बल्कि जीवनमूल्य स्थापित करना। यहाँ उन्हें सिखाया जाता है कि समाज में कैसे जीना है, एक-दूसरे के प्रति आदर और करुणा कैसे रखनी है, और अपने कर्मों से राष्ट्र के प्रति कैसे योगदान देना है । विघ्नेश जैसे बच्चे हमारी शिक्षिकाओं की मेहनत का सजीव उदाहरण हैं। . . . . .

शीव कल्याण केंद्र

वृत्त पत्रिका

जुलाई / अगस्त / सितम्बर 2025

अंक : 1

ईमानदारी का सच्चा अर्थ – विघ्नेश की प्रेरक कहानी . . . .

स्वाती ताई और अन्य शिक्षिकाएँ केवल पढ़ाने का कार्य नहीं करतीं, वे बच्चों के मन और चरित्र को गढ़ने में लगी रहती हैं।

हमारी संस्था का विश्वास है कि आज के ये बच्चे ही कल के नागरिक हैं। यदि उनके भीतर सही संस्कार और नैतिक मूल्य बचपन से ही रोपित किए जाएँ, तो वे न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे समाज का भविष्य उज्ज्वल बनाएँगे। विघ्नेश की यह कहानी हर बच्चे, हर माता-पिता और हर शिक्षक के लिए एक प्रेरणा है — कि शिक्षा का असली अर्थ केवल किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण तक फैला हुआ है।

हमारा ध्येय स्पष्ट है — "संस्कार से परिवर्तन, और परिवर्तन से राष्ट्र निर्माण।" यही हमारे संस्था की असली पहचान है, और यही वह ज्योति है जो हर विघ्नेश जैसे बच्चे के भीतर उजाला फैलाती है।

रिपोर्ट : बस्ती कार्यकर्ता एकत्रीकरण कार्यक्रम

स्थान: कन्यका परमेश्वरी मंदिर, माटुंगा

दिनांक: 11 अक्टूबर 2025

समय: दोपहर 3:00 बजे से 6:00 बजे तक
कुल उपस्थिति: 111 कार्यकर्ता एवं शिक्षिकाएँ

11 अक्टूबर 2025 को *शीव कल्याण केंद्र* द्वारा "बस्ती कार्यकर्ता एकत्रीकरण कार्यक्रम" का भव्य आयोजन कन्यका परमेश्वरी मंदिर, माटुंगा में किया गया। यह कार्यक्रम दोपहर 3 बजे आरंभ होकर शाम 6 बजे तक चला। बस्ती क्षेत्रों में कार्यरत 111 कार्यकर्ता और शिक्षिकाएँ इसमें उपस्थित रहीं। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बस्ती कार्यकर्ताओं और शिक्षिकाओं को एक मंच पर लाना था, ताकि वे अपने अनुभवों का आदान-प्रदान कर सकें और समाज सेवा की दिशा में अपने कार्यों को और अधिक प्रभावी बना सकें।

शीव कल्याण केंद्र

वृत्त पत्रिका

जुलाई / अगस्त / सितम्बर 2025

अंक : 1

बस्ती कार्यकर्ता एकत्रीकरण कार्यक्रम . . .

इस कार्यक्रम का ध्येय समाज में सेवा भावना को सशक्त बनाना, संस्कार आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करना और राष्ट्रीय एकता व सामाजिक समरसता की भावना को गहराई देना था। बस्तियों में कार्यरत कार्यकर्ता दिन-रात समाज में संस्कार, शिक्षा और आत्मनिर्भरता का प्रकाश फैला रहे हैं। उन्हें प्रोत्साहित करना और उनके अनुभवों को साझा करना इस आयोजन का मूल भाव रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ *भारत माता पूजन* और *दीप प्रज्वलन* से हुआ। इस पवित्र आरंभ के साथ ही वातावरण में श्रद्धा, देशभक्ति और एकता की भावना गूंज उठी। इसके पश्चात सभी शिक्षिकाओं ने एक सुंदर *सामूहिक गीत* प्रस्तुत किया, जिसने कार्यक्रम को मधुर और प्रेरणादायी बना दिया।

मुख्य अतिथि श्री सुनील जी स्प्रे और डॉ. सुनीता मगरे का स्वागत एवं सत्कार किया गया। अध्यक्ष श्री दिनेश तहलयानी जी ने अपने प्रेरणादायी विचार व्यक्त करते हुए बताया कि समाज सेवा केवल एक कार्य नहीं, बल्कि जीवन का एक उच्चतम उद्देश्य है। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि प्रत्येक बस्ती में संस्कार और शिक्षा का दीप जलाए रखना ही सच्ची सेवा है।

इसके पश्चात श्रीनिवास राचा जी ने *शिव कल्याण केंद्र* की प्रस्तावना प्रस्तुत की। उन्होंने संगठन की स्थापना, उसकी गतिविधियों और बस्तियों में चल रहे संस्कार वर्गों की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि संगठन कैसे समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा और संस्कार पहुँचाने का प्रयास कर रहा है।

बस्ती में कार्यरत कई कार्यकर्ताओं ने अपने अनुभव साझा किए। किसी ने यह बताया कि कैसे उन्होंने बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित किया, तो किसी ने यह अनुभव बाँटा कि कैसे माता-पिता को भी संस्कार वर्गों से जोड़ा जा सकता है। उनके अनुभवों से सभी कार्यकर्ताओं को नई दिशा और प्रेरणा मिली।

डॉ. सुनीता मगरे जी ने अपने बौद्धिक मार्गदर्शन में समाज सुधार, नारी शक्ति, और संस्कारी शिक्षा के महत्व पर विस्तार से विचार रखे। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक या कार्यकर्ता केवल ज्ञान नहीं देता, बल्कि वह एक पूरी पीढ़ी को दिशा प्रदान करता है। उनकी प्रेरणादायी वाणी से वातावरण में नई ऊर्जा का संचार हुआ।

कार्यक्रम में एक सुंदर *एकल गीत* की प्रस्तुति भी दी गई, जिसने सभी के मन को छू लिया। गीत की भावनाएँ समाज सेवा और मातृभूमि के प्रति समर्पण को अभिव्यक्त कर रही थीं।

अंत में श्री सुनील जी स्प्रे ने बौद्धिक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने बस्ती कार्यकर्ताओं की भूमिका को समाज निर्माण का आधार बताते हुए कहा कि जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति तक संस्कार और शिक्षा नहीं पहुँचती, तब तक विकास अधूरा रहता है।

कार्यक्रम का समापन *"वंदे मातरम्"* के सामूहिक गायन के साथ हुआ। सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं और शिक्षिकाओं ने मिलकर इस गीत को बड़े उत्साह और भावनाओं से गाया।

यह कार्यक्रम हर दृष्टि से अत्यंत यशस्वी, प्रेरणादायी और उत्साहवर्धक रहा। इसने कार्यकर्ताओं के बीच नई एकता, आत्मविश्वास और समाज सेवा की भावना को मजबूत किया । शिव कल्याण केंद्र द्वारा आयोजित यह आयोजन बस्ती कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया — जिससे आगे के दिनों में समाज में और अधिक प्रकाश, संस्कार और समर्पण फैल सकेगा।

शीव कल्याण केंद्र

वृत्त पत्रिका

जुलाई / अगस्त / सितम्बर 2025

अंक : 1

गणेश पवार

गायकवाड़ नगर, चेंबूर - (बस्ती समिति सदस्य)

बस्ती विकास योजना का मेरा अनुभव :-

बस्ती विकास योजना के अंतर्गत हम वर्तमान में बस्ती में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास कर रहे हैं। इस परिवर्तन का मुख्य उद्देश्य है बस्ती के प्रत्येक परिवार का सर्वांगीण विकास करना।

हमारा कार्यक्षेत्र पाँच प्रमुख विषयों पर केंद्रित है स्वास्थ्य, शिक्षा, जागरूकता, पर्यावरण और महिला सशक्तिकरण।

स्वास्थ्य क्षेत्र में स्वच्छता, पोषण और रोग-निवारक उपायों के बारे में जानकारी दी जा रही है।

शिक्षा के माध्यम से बच्चों और महिलाओं में सीखने की रुचि बढ़ाई जा रही है।

जागरूकता अभियानों के द्वारा सामाजिक और व्यक्तिगत जिम्मेदारी की भावना विकसित की जा रही है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ लगाना, प्लास्टिक का उपयोग कम करना और स्वच्छ परिसर बनाए रखना इन बातों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

इन सभी प्रयासों से बस्ती में धीरे-धीरे सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगे हैं। नागरिक और महिलाएँ अब स्वेच्छा से भाग ले रही हैं, और यही हमारे प्रयासों की सच्ची सफलता है।